यह विचार सहर के आईटी एंटरप्रेन्योर ने एबीसी टिप्पन आईटीएम में आयोजित एंटरप्रेन्योरशिप समिट में रखे।

Bhaskar news | Last Modified - Apr 25, 2015, 12:10 AM IST

अलीगढ़, सरकार पंजीकृतप्रेन्योर बनने के लिए विकसित प्रयास सबसे पहले जरूरी है। यही प्रयास अच्छी सरकारी व्यवस्था का प्रतिबिंब तथा कारण है। स्मार्ट सिटीज और स्मार्ट एजुकेशन से ही बेहतर पंजीकृतप्रेन्योर बना जा सकता है।

यह विचार सहर के आईटी पंजीकृतप्रेन्योर ने एबीसी टिप्पन आईटीएम में आयोजित पंजीकृतप्रेन्योरशिप समिट में रखे। दो दिवसीय समिट का समापन सोमवार को हुआ। इस दौरान आईटी पंजीकृतप्रेन्योर ने अपनी सरकारी का पेश संदेश दिया।

आईटी पंजीकृतप्रेन्योर ने कहा कि कई बार पंजीकृतप्रेन्योर अपने काम खुद करना चाहते हैं, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। अब जिस जीवन के पाकरार्ट है वही काम करें और बाकी काम संबंधित जीवन के पाकरार्ट पर छोड़ दें। ऐसा करने सरकारी मिलेंगे हैं। इस अवसर पर समिट के को-ऑर्डिनेटर प्रे.अनुराग श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित थे। इस दौरान आईटी पंजीकृतप्रेन्योर ने किसी मनपसंद से अपनी सरकारी और विकास पर चर्चा की।

ट्रेनिंग में पंजीकृतप्रेन्योर के बारे में जाना, सुख की संज्ञा

सहर के नागरिक नगर में रहने वाली सुप्ति त्रिपाठी ने आईटी पंजीकृतप्रेन्योर हैं। वर्ष 2013 में कम्प्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग करने वाली सुप्ति अब ट्रेनिंग के लिए आईआईटी जैसे संस्थानों में जुड़ी तो उन्हें पंजीकृतप्रेन्योर के बारे में ज्यादा जानकारी मिली।

यही से उन्हें आईटी के क्षेत्र में पंजीकृतप्रेन्योर बनने का कॉन्सेप्ट मिला। वर्ष 2014 में उन्होंने 20 हजार रुपए की लागत और दो लोगों के साथ कम्पाउंड ट्रेन निर्माण संस्था की शुरुआत की। अब संस्था में 10 लोग हैं और इसका सालाना टर्न ओवर 10 लाख रुपए है। सुप्ति का मानना है कि पंजीकृतप्रेन्योर बनने के लिए लगन और धैर्य जरूरी है।

कुछ अलग करना था,बिजनेस के दौरान ही सुप्ति ने कुछ अलग करने का मन बना लिया था। इसके लिए उन्होंने पंजीकृतप्रेन्योर बनने का निर्णय लिया और उन्हें फैमिली का भी पूरा सपोर्ट मिला।

मिशन-आईटी के क्षेत्र में अलीगढ़ को बेहतर शक्ल बनाना। इसके लिए अलीगढ़ के आईटी संस्थानों के साथ मिलकर बेहतर काम करना।

अपने की सफलता में देखिए सुप्ति त्रिपाठी की फोटो।